मैं कली से फूल बनूँ

प्रेषिका - सावी

मेरा नाम सावी है और मेरी उम्र २१ वर्ष है। मैं काफी लम्बे समय से अन्तर्वासना की कहानी पढ़ती आ रही हूँ, और मैं अपनी एक सच्ची कहानी सुनाना चाहती हूँ।

मेरी कहानी तब की है जब मेरी उम्र १८ साल की थी। वैसे तो १८ साल की उम्र में लड़की बस खिलना शुरु होती है, पर मैं ज़बरदस्त सुन्दर थी, और मेरी फिगर ३६ २६ ३४ हो गई थी। उस वक्त मेरा चक्कर एक सहपाठी रोहित से चल रहा था। वह काफी दिनों से मुझे किसी होटल के कमरे में ले जाना चाहता था। मैं भी जाना तो चाहती थी पर हिम्मत नहीं कर पा रही थी। हमारे बीच चुम्मा-चाटी तो चलती ही रहती थी पर उससे अधिक नहीं हो पा रहा था। उसके लिए वो मुझे होटल चलने के लिए तैयार कर रहा था।

आख़िर एक दिन मैं तैयार हो ही गई और हम एक होटल के कमरे में पहुँच गए। कमरे में आने के बाद उसने थोड़ी-बहुत कोल्ड-ड्रिंक पी और कुछ नाश्ता मँगवाया। खा-पी लेने के बाद हम टीवी देखने ले। मैंने उस दिन ख़ास टॉप-जीन्स और काले रंग के अन्तःवस्त्र पहने थे। टीवी देखते-देखते रोहित ने मुझे अपनी बाँहों में कसकर जकड़ लिया और मेरे होंठों को चूसने लगा। होंठों को चूसते-चूसते उसके हाथ मेरी बड़ी-बड़ी चूचियों को हल्के-हल्के दबाने लगे। शुरु-शुरु में तो मुझे थोड़ा दर्द सा हुआ, फिर मज़ा आने लगा।

फिर उसने मेरा टॉप उतार दिया और अपनी टी-शर्ट भी उतार दी। उसने मेरी ब्रा के ऊपर से ही मेरी चूचियों को धीमे-धीमे दबाना जारी रखा। मैं भी मना नहीं करके मज़े ले रही थी, सो वह भी धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था।

अब वह मेरे ऊपर आ गया और धीरे-धीरे मेरे गले और उसके आस-पास चूमते हुए वह नीचे की और बढ़ने लगा। उसने मेरी ब्रा के ऊपर से मेरी चूचियों को चूमा और फिर और भी नीचे आते हुए मेरे चिकने पेट को चूमा। नाभि के आसपास उसने चुम्बनों की बाछौर लगा दी। मैं उसकी इस हरक़त का पूरा मज़ा ले रही थी। वह और नीचे आया और जीन्स के ऊपर से ही मेरी चूत को चूमा, मुझे हद से ज़्यादा मज़ा आया।

उसने अब मेरी जीन्स का बटन खोल दिया और ज़िप नीचे सरका कर धीरे-धीरे मेरी जीन्स भी उतार दी। अब मैं सिर्फ ब्रा और पैन्टी में थी, मैं ज़बरदस्त ख़ूबसूरत लग रही थी। अब उसने अपनी पैन्ट और अण्डरवियर भी उतार दी। उसका लंड देखते ही मेरे तो होश उड़ गए, क्योंकि उसका लंड कम से कम ८ इंच लम्बा और ६ इंच मोटा रहा होगा। उसने मुझे अपनी बाँहों में भर लिया और जी भरकर चूमने लगा। मैंने भी उसको अपनी बाँहों में जकड़ लिया और फिर उसने मुझसे कहा, "सावी तुम सचमुच बहुत ख़ूबसूरत हो, मैं कब से तुम्हें पाना चाहता था।"

वह मेरी चूचियाँ दबाते हुए मेरे होंठों को चूस रहा था, "आज मैं तुम्हें पूरा पाना चाहता हूँ।"

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.

"मैं पूरी की पूरी तुम्हारी ही हूँ रोहित। आज जो चाहे कर लो।" - मैंने भी उन्मत्त स्वर में कहा।

उसने मेरी ब्रा के हुक खोल दिए और मेरी बड़ी-बड़ी चूचियों को आजाद कर दिया। मेरी ख़ूबसूरत चूचियों को देखते ही उसका लंड और सख्त हो गया और उसने मेरी चूचियों को चूम लिया।

आआआआहहहहह... उउउऊऊऊहहहहहहह... मैं उसकी इस हरक़त का भरपूर मज़ा ले रही थी। उसने मेरी दाहिनी चूची की घुण्डी को चूमा और फिर मुँह में लेकर चूसने लगा, साथ ही दूसरी घुण्डी को हौले-हौले दबाने लगा।

आआआआहहहहहहहहहहह उउउऊऊऊऊओओओहहहहहहहहहह.... मैं बहुत मज़े ले रही थी। रोहित मेरी ताज़ी जवानी का भरपूर मज़ा ले रहा था। क़रीब १५ मिनट तक मेरी चूचियों को चूसने के बाद वह धीरे-धीरे नीचे आने लगा और मेरे चिकने पेट को चूमा... उउउउम्म्म्म्म्... मैं उसकी इस हरक़त से पागल हुई जा रही थी, वह भी मेरी जवानी का भरपूर मज़ा ले रहा था।

इतनी देर में मैं दो बार स्खलित हो चुकी थी, और मेरी पैन्टी ऊपर तक पूरी गीली हो चुकी थी। वह और भी नीचे आया और मेरी पैन्टी के ऊपर से मेरी चूत पर चुम्बन लिया। ओओओहहहहहहह... मुझे ऐसा लगा, जैसे मैं जन्नत में ही हूँ।

उसने मेरी पैन्टी में अपनी ऊँगली डाली और धीरे-धीरे मेरी पैन्टी को नीचे करने लगा। पैन्टी उतारने के बाद उसने मेरी पैन्टी को अच्छी तरह से चूमा और धीरे से उसे मेरी ओर उछाल दिया।

मैं अब उसके सामने पूरी की पूरी नंगी लेटी हुई थी। जैसे ही उसकी नज़र मेरी कुँवारी ग़ुलाबी चूत पर पड़ी, उसका लंड साँप की भाँति फुफकारने लगा। फिर उसने मेरी गोरी-गोरी जांघों को चूमा और धीरे-धीरे मेरी चिकनी चूत के आसपास भी चूमना शुरु किया।

जैसे ही उसने मेरी शेव की हुई चिकनी चूत को चूमा... आआआआआआहहहह... मैं एकदम से लगभग उछल कर उठ बैठी। उसने अपने दोनों हाथों से मेरी ग़ुलाबी चूत फैलाई और अपनी जीभ अन्दर डालकर अन्दर ही अन्दर मेरी चूत में घुमा-घुमा कर चूसने लगा, और साथ ही अपने हाथों से मेरी दोनों भारी-भरकम चूचियों को दबाने लगा...

ओओहहह्हहह माँआआआआआँ... मैं बता नहीं सकती कि कितना मज़ा आ रहा था, और वह जी भर कर अपनी जीभ से मेरी गुलाबी चूत को चाटे-चूसे जा रहा था। मैं एक-दो बार उसके मुँह में स्खलित भी हो चुकी थी। और वह मेरी चूत का रस पी रहा था।

क़रीब १५-२० मिनट तक मेरी चूत चूसने के बाद वह धीरे-धीरे मुझे किस करते हुए ऊपर आने लगा और मेरी चूचियों को चूसने के बाद वह मेरे होंठों को चूसने लगा। फिर उसने मुझसे कहा "सावी मेरा लंड तुम्हारे मुँह में जाने के लिए बेचैन है। तुम अपने होंठों से मुझे खुश कर दो, ताकि वह अपना काम अच्छी तरह कर पाए।"

मैंने भी कोई नखरा न करते हुए नीचे गई और उसके लंड को चूमते हुए उसे अपने होंठों से अन्दर लेते हुए अपने मुँह में लेकर उसे अच्छे से चूसने लगी। अब रोहित को बहुत मज़ा आ रहा था और

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.

मैं जी भर कर उसका मोटा-लम्बा लंड जोरों से चूस रही थी। उसके लंड से कसैला-कसैला रस मेरे मुँह में आ रहा था, जिसे मैं निगल रही थी।

क़रीब १५ मिनट तक मैंने उसका लंड चूसा और अब मैं ऊपर आकर अपने होंठ मैंने रोहित के होंठों पर रख दिए। फिर थोड़ी देर तक रोहित मुझे अपनी बाँहों में लेकर चूमता रहा और मेरे कामोत्तेजक शरीर से खेलता रहा और मज़े लेता रहा।

फिर उसने नीचे आकर मेरी चूत फैलाई और मेरी गुलाबी चूत का मुँह थोड़ा खोलकर उसमें उसने अपना मुँह डाल दिया। हम 69 की स्थिति में आ गए, उसका लंड मेरे मुँह के सम्मुख आ गया था, और मैंने भी उसका लंड अपने मुँह में लेकर चूसना शुरु कर दिया था। थोड़ी देर हम एक-दूसरे का चूस कर एक-दूसरे को खुश करते रहे।

अब समय आ गया था कि मैं कली से फूल बनूँ, जिसका मैंने सालों से इन्तज़ार किया था। रोहित मेरे ऊपर आ गया और अपनी दोनों टाँगें मेरे पैरों से फँसाईं और अपना लंड मेरी चूत पर रख दिया। उस वक़्त मुझे ऐसा लगा जैसे किसी ने जलता हुआ लोहे का सरिया मेरी चूत पर रख दिया हो। उसका लंड पूरी तरह से सख्त था और मेरी चूत को फाड़ने को बेक़रार था।

उसने हल्के से अपना लंड मेरी चूत में अन्दर धकेला तो मेरी हल्की सी चीख़ निकल गई। मैंने कहा - "रोहित यह तुम क्या कर रहे हो? मुझे दर्द हो रहा है।"

"मैं अपना लंड तुम्हारी चूत में डालने की कोशिश कर रहा हूँ। अभी तुम्हारी चूत कुँवारी है, और एकदम सँकरी है, इसलिए पहली बार थोड़ा दर्द होगा। पर अन्दर डालने के बाद बहुत मज़ा आएगा।" - रोहित ने मुझे समझाया।

वह धीरे-धीरे अपना लंड मेरी चूत के अन्दर डालने लगा। क़रीब ४ इंच तक अन्दर जाने के बाद मेरी हालत ख़राब हो गई थी और मैं दर्द के मारे चिल्ला रही थी। रोहित से मेरा दर्द देखा नहीं गया, तो वह मेरे होंठों को चूसने लगा और साथ ही मेरी चूचियों को हल्के-हल्के मसलने लगा। थोड़ी देर तक ऐसा ही चलता रहा, फिर रोहित ने देखा कि मेरा दर्द अब कम हो गया है तो उसने अपना लंड थोड़ा पीछे खींचा और फिर धीरे-धीरे आगे-पीछे करने लगा। थोड़ी देर ऐसा करते रहने के बाद मुझे भी बहुत मज़ा आने लगा था और मैं आआआआहहहह ऊऊउउउउउउऊऊऊऊहहहहहहहहमम्म्म् करने लगी।

रोहित ने पूछा, "कैसा लग रहा है जान?"

"मज़ा आ रहा है, पर दर्द भी हो रहा है।" - मैंने उसे बताया।

"मेरा लण्ड, तुम्हारी चूत में अभी आधा ही घुसा है, इसलिए दर्द हो रहा है। जब मैं पूरा लंड तुम्हारी चूत में धकेल दूँगा तब काफ़ी मज़ा आएगा।"

"तो फिर घुसाते क्यों नहीं पूरा लण्ड, मुझे पूरा मज़ा लेना है।"

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.

"अगर मैं तुरन्त जल्दबाज़ी में पूरा घुसा दूँगा, तो दर्द से तुम्हारी जान निकल जाएगी।"

"अब चाहे जितना भी दर्द हो रोहित, तुम मेरे दर्द की पररवाह मत करो और ज़ोर लगाकर पूरा-का-पूरा लंड अन्दर घुसेड़ दो।"

इतना सुनते ही रोहित ने मुझे और ज़ोर से मुझे अपनी बाँहों में जकड़ लिया और पूरी ताक़त से अपना लंड मेरी चूत में डालने लगा। मैं ज़ोरों से चिल्लाई - आआआआआहहहहहहहहह रोहितततततततततत, मररीईईईईईईई... मेरी जान निकल जाएगी...

रोहित का ८ इंच लम्बा और ६ इंच चौड़ा लंड मेरी चूत को फाड़ता हुआ मेरी चूत के गरमा-गरम सिरे से जा टकराया और मेरी कुँवारी चूत परपरा कर फट गई, और मेरी कुँवारी चूत से लबलबाकर खून निकलने लगा। खून देखकरक मैं रोने लगी, तो रोहित ने समझाया - "जानू, पहली बार जब चूत में लंड जाता है तो हल्का सा खून निकलता ही है। अब तुम्हें दर्द नहीं होगा और बहुत ही मज़ा आएगा।"

फिर थोड़ी देर बाद जैसे-जैसे मेरा दर्द कम हुआ तो रोहित ने अपना लंड मेरी चूत में आगे-पीछे करना शुरु करक दिया। मेरी चूत बहुत सँकरी थी इसलिए उसका लंड बहुत मुश्किल से आगे-पीछे हो रहा था। मैं उसके हर शॉट पर हल्के-हल्के चिल्ला रही थी। रोहित ने धीरे-धीरे अपनी गति बढ़ाई और फिर ख़ूब ज़ोर-ज़ोर से मेरी चुदाई शुरु कर दी- आआआहहहहह उउऊऊऊऊहहहहहओओओओओओओओ। मैं भी अपनी गाँड उछाल-उछाल कर उसका पूरा साथ देने लगी और पूरा कमरा मेरी कुँवारी जवानी की ध्वनियों से गुंजायमान हो उठा।

मैं चिल्लाने लगी - "रोहित, और ज़ोर से... आआआहहहहह...।" रोहित पूरी शक्ति और गति से मेरी चुदाई करने लगा। मेरा प्रेमी जी खोलकर मेहनत कर रहा था - उसके चहरे पर आए पसीने यह साफ-साफ बता रहे थे।

उसने पूछा - "सावी, कैसा लग रहा है?"

"ऐसा लग रहा है, जैसे मैं स्वर्ग में उड़ रही हूँ... आआआहहहह रोहितततततततत।"

"सावी, मैं कब से तुम्हें पाना चाहता था।"

"हाँ रोहित, मैं पूरी की पूरी तुम्हारी हूँ।"

"हाँ सावी, आज मैं जी भरकर तुम्हें चोदूँगा... आआआआआआहहहहहह..."

रोहित का पूरी गति के साथ मेरी चूत को फाड़ कर अन्दर-बाहर हो रहा था और मैं भी जी खोल कर उसका साथ दे रही थी। रोहित मेरी चूचियों को मुँह में भर कर उन्हें भी चूस रहा था और मुझे ख़ूब ज़ोर-ज़ोर से चोद रहा था। पूरा कमरा फच्च-फच्च की आवाज़ से गूँज रहा था। इतना मज़ा मुझे अपनी ज़िन्दगी के किसी भी खेल में नहीं आया था। फिर करीब आधे घंटे तक मेरा प्रेमी मेरी असीम चुदाई करता रहा। पहले उसने मुझे आग से चोदा, फिर अपनी गोद में बिठा कर।

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.

और अन्त में आगे से चोदते हुए उसने अपना वीर्य मेरी कुँवारी चूत में उड़ेल दी।

मेरी कुँवारी चूत उसके वीर्य से भर गई थी, हम दोनों पसीने से तर-बतर हो चुके थे। फिर तौलिए से हमने अपने-अपने अंग पोंछे और फिर एक-दूसरे की बाँहों में सिमट गए। रोहित ने अपने लंड फिर से मेरे हाथ में दे दिया और मैं उसका लंड धीरे-धीरे सहलाने लगी। थोड़ी ही देर में वह तमतमा कर फनफनाने लगा था।

अब उसने उसपर एक डॉटेड कॉण्डोम लगाई और फिर से मेरे ऊपर आकर मेरी चूत में घुसेड़ दिया। इस बार थोड़ी कम तकलीफ़ के साथ उसका लंड अन्दर चला गया। वह फिर से मुझे ज़ोर-ज़ोर से चोदने लगा। इस बार तो मुझे और भी अधिक मज़ा आ रहा था। आआआहहहहहह उउऊऊऊऊऊऊ... फिर रोहित ने क़रीब ५ बार और मेरी ज़ोरदार तरीके से चुदाई की।

अन्त में हम तैयार होने लगे। मुझसे उठा भी नहीं जा रहा था तो रोहित ने मुझे उठा लिया और बाथरूम में ले गया। हम दोनों ने स्नान किया और फिर तैयार हो गए। रोहित ने मुझे घर तक छोड़ दिया।

दोस्तों, आपको मेरी कहानी कैसी लगी, कृपया मेल द्वारा बताएँ। मैं जल्द ही अगली कहानी लेकर फिर से हाज़िर होऊँगी।

आज के लिए विदा दोस्तों।

११ जून, २००९

cute_eku_agr@yahoo.com

साथी हाथ बढ़ाना

एक अकेला थक जाएगा

मिल कर बोझ उठाना

साथी हाथ बढ़ाना !!

Copyright © Indian Porn Empire - 2008. All Rights Reserved.